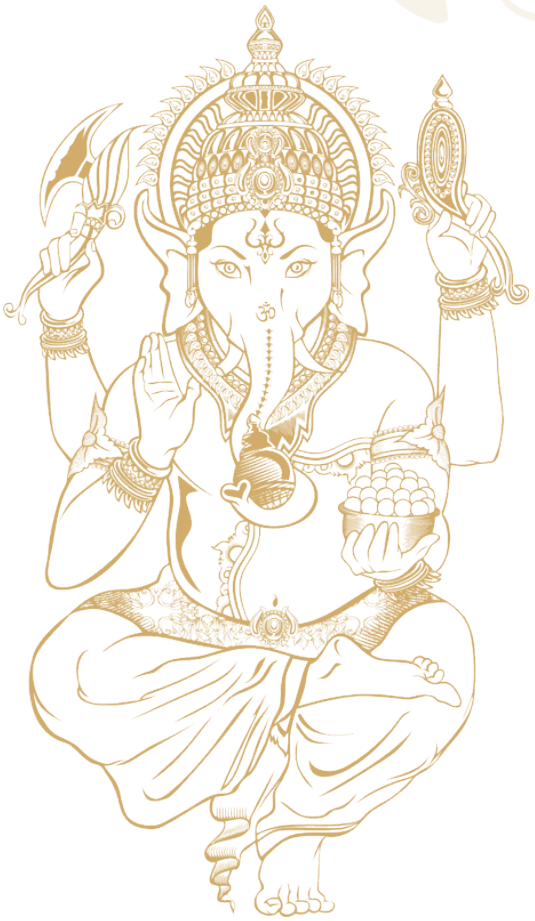

24 May 1995

05:33 PM

Simla

Model: web-freekundliweb

Order No: 121393903

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**24/05/1995**
दिन	बुधवार
जन्म समय	**17:33:00 घंटे**
इष्ट	30:28:50 घटी
स्थान	**Simla**
राज्य	Himachal Pradesh
देश	India

अक्षांश	31:06:00 उत्तर
रेखांश	77:10:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:20 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	17:11:40 घंटे
वेलान्तर	00:03:15 घंटे
साम्पातिक काल	09:18:08 घंटे
सूर्योदय	05:21:27 घंटे
सूर्यास्त	19:15:06 घंटे
दिनमान	13:53:39 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	ग्रीष्म
सूर्य के अंश	09:04:07 वृष
लग्न के अंश	18:31:54 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**मीन - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**उ०भाद्रपद - 4**
नक्षत्र स्वामी	शनि
योग	प्रीति
करण	बव
गण	मनुष्य
योनि	गौ
नाड़ी	मध्य
वर्ण	विप्र
वश्य	जलचर
वर्ग	सिंह
युँजा	अन्त्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	ञ--
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - लौह
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मिथुन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	18:31:54	303:25:34	स्वाति	4	15	शुक्र	राहु	चंद्र	---
सूर्य			वृष	09:04:07	00:57:40	कृतिका	4	3	शुक्र	सूर्य	शुक्र	शत्रु राशि
चंद्र			मीन	14:57:49	12:23:52	उ०भाद्रपद	4	26	गुरु	शनि	गुरु	सम राशि
मंगल			सिंह	05:40:45	00:26:48	मघा	2	10	सूर्य	केतु	राहु	मित्र राशि
बुध	व		वृष	24:33:57	00:00:35	मृगशिरा	1	5	शुक्र	मंगल	राहु	मित्र राशि
गुरु	व		वृश्चि	17:43:42	00:07:28	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	बुध	मित्र राशि
शुक्र			मेष	15:20:05	01:12:49	भरणी	1	2	मंगल	शुक्र	शुक्र	सम राशि
शनि			कुंभ	29:28:11	00:04:01	पू०भाद्रपद	3	25	शनि	गुरु	चंद्र	स्वराशि
राहु			तुला	11:38:09	00:01:47	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	शनि	मित्र राशि
केतु			मेष	11:38:09	00:01:47	अश्विनी	4	1	मंगल	केतु	बुध	मित्र राशि
हर्ष	व		मक	06:31:47	00:00:55	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	बुध	---
नेप	व		मक	01:34:11	00:00:49	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	गुरु	---
प्लूटो	व		वृश्चि	05:19:42	00:01:39	अनुराधा	1	17	मंगल	शनि	शनि	---
दशम भाव			कर्क	23:17:32	--	आश्लेषा	--	9	चंद्र	बुध	चंद्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:47:43

लग्न-चलित

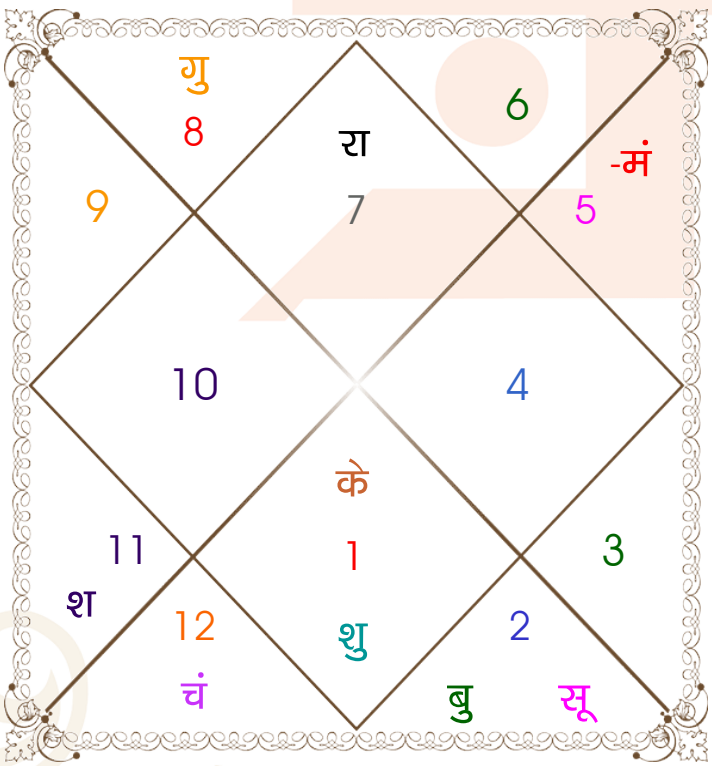

चन्द्र कुंडली

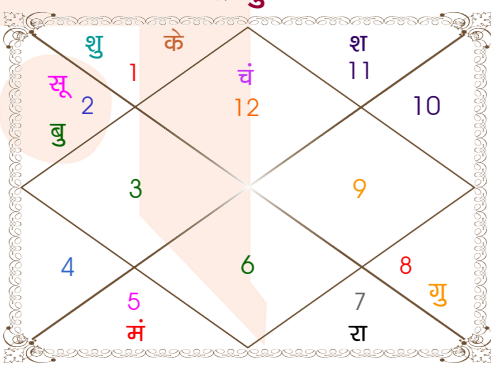

नवमांश कुंडली

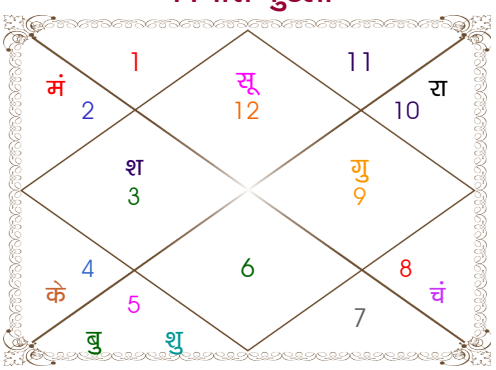

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शनि 2 वर्ष 5 मास 3 दिन

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
24/05/1995		27/10/1997		27/10/2014		27/10/2021		27/10/2041	
27/10/1997		27/10/2014		27/10/2021		27/10/2041		27/10/2047	
	00/00/0000	बुध	24/03/2000	केतु	25/03/2015	शुक्र	25/02/2025	सूर्य	13/02/2042
	00/00/0000	केतु	22/03/2001	शुक्र	24/05/2016	सूर्य	25/02/2026	चंद्र	15/08/2042
	00/00/0000	शुक्र	20/01/2004	सूर्य	29/09/2016	चंद्र	27/10/2027	मंगल	21/12/2042
	00/00/0000	सूर्य	26/11/2004	चंद्र	30/04/2017	मंगल	26/12/2028	राहु	14/11/2043
	00/00/0000	चंद्र	27/04/2006	मंगल	26/09/2017	राहु	27/12/2031	गुरु	02/09/2044
	00/00/0000	मंगल	25/04/2007	राहु	15/10/2018	गुरु	27/08/2034	शनि	15/08/2045
	00/00/0000	राहु	11/11/2009	गुरु	21/09/2019	शनि	27/10/2037	बुध	21/06/2046
	24/05/1995	गुरु	17/02/2012	शनि	30/10/2020	बुध	27/08/2040	केतु	27/10/2046
गुरु	27/10/1997	शनि	27/10/2014	बुध	27/10/2021	केतु	27/10/2041	शुक्र	27/10/2047

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
27/10/2047		27/10/2057		26/10/2064		27/10/2082		27/10/2098	
27/10/2057		26/10/2064		27/10/2082		27/10/2098		25/05/2115	
चंद्र	27/08/2048	मंगल	25/03/2058	राहु	10/07/2067	गुरु	14/12/2084	शनि	31/10/2101
मंगल	28/03/2049	राहु	12/04/2059	गुरु	02/12/2069	शनि	27/06/2087	बुध	10/07/2104
राहु	27/09/2050	गुरु	18/03/2060	शनि	08/10/2072	बुध	02/10/2089	केतु	19/08/2105
गुरु	27/01/2052	शनि	27/04/2061	बुध	28/04/2075	केतु	08/09/2090	शुक्र	18/10/2108
शनि	27/08/2053	बुध	24/04/2062	केतु	15/05/2076	शुक्र	09/05/2093	सूर्य	30/09/2109
बुध	26/01/2055	केतु	20/09/2062	शुक्र	16/05/2079	सूर्य	25/02/2094	चंद्र	02/05/2111
केतु	27/08/2055	शुक्र	21/11/2063	सूर्य	09/04/2080	चंद्र	27/06/2095	मंगल	09/06/2112
शुक्र	27/04/2057	सूर्य	27/03/2064	चंद्र	08/10/2081	मंगल	02/06/2096	राहु	16/04/2115
सूर्य	27/10/2057	चंद्र	26/10/2064	मंगल	27/10/2082	राहु	27/10/2098	गुरु	25/05/2115

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शनि 2 वर्ष 5 मा 12 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म स्वाती नक्षत्र के चतुर्थ चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। तुलालग्नोदय काल मेदिनीय क्षितिज पर मीन नवमांश के साथ-साथ कुंभ राशि का द्रेष्काण भी उदित था। आपके जन्म लग्नोदयादिक प्रभाव से यह दृश्य हो रहा है कि आप गपशप करने वाले होंगे। आपका जीवन आकर्षक परंतु आप दूसरों के साथ इर्ष्या रखने वाले होंगे।

आप अपनी आयु के 30 से 35 वें वर्ष के अंतराल में काफी धन संपति का अर्जन करेंगे तथा आपका जीवन आनंदपूर्वक व्यतीत होगा। आपका रूप आकर्षित होगा आप अपने प्रताप से बहुत धन का व्यय करेंगे तथा अपना सांसारिक जीवन किस प्रकार बिताया जाए। इस बात का अन्वेषण करेंगे। आप अपने फिजूल खर्ची पर नियंत्रण करेंगे तो अनुकूल रहेंगे। अन्यथा आपकी वृद्धावस्था अति सुखद ही नहीं होगी अपितु वह अवस्था निरस भी हो जाएगी।

आप धार्मिक भावना के प्राणी होंगे। आप अनेक तीर्थ स्थलों का भ्रमण कर सत्यकार्यों में दान प्रदान करेंगे। यह संभाव्य है कि आपमें अनेक गुण विद्यमान होंगे तथा आप विश्वसनीयता पूर्वक व्यवहार करेंगे। आप भगवान की कृपा से उत्तम संतान के पिता होंगे। वे अपना नाम एवं अपनी प्रसिद्धि प्राप्त करेंगे।

आपकी अपनी जीवन संगिनी के रूप में उपयुक्त एवं आदर्श पत्नी प्राप्ति हेतु मिथुन अथवा कुंभ राशि की जातक का चयन करना उत्तम होगा। परंतु यदि आपकी पत्नी कर्क, मकर अथवा मीन राशीय समुदाय की हुई तो वह आपकी आवश्यकता अथवा अनुरूपता के योग्य नहीं होंगी।

परंतु यदि आपकी संगिनी आपको श्रेय नहीं प्रदान करे तो आपको हतोत्साह होने की आवश्यकता नहीं है। आप किसी भी तरह से अपनी पत्नी से विद्वेष नहीं करेंगे।

वास्तव में आप बहुतायत में अपने घरेलू वातावरण को अनुकूल करने के लिए तथा सुव्यवस्थित करने के लिए आपकी पत्नी बेशकीमती आभूषण एवं बहुमूल्य वस्त्रादि से युक्त अपने परिवार के जीवन यापन को प्रमुखता देगी। आप अपने भवन को अपने मित्र एवं सगे संबंधियों की दृष्टि में आकर्षक बनाएंगे। इसके बिना आप अपने रहन सहन को दुष्कर अनुभव करेंगे।

तुला प्रभावित जातक सामान्यतः स्वास्थ्य के दृष्टिकोण से उत्तम एवं उच्च स्तरीय आनंद से युक्त होता है। परंतु वह छुआछूत की बिमारी से वह अद्योगामी भी हो सकता है एवं आयुवृद्धि के कारण मूत्र संबंधी समस्याएं उत्पन्न हो सकती है। अस्तु आपको इसके विरूद्ध सुरक्षात्मक कदम उठाने चाहिए।

आप हर दशा में धन एवं सुंदर सुखद भवन से युक्त होंगे। आप समयानुकूल अपने कार्य कलाप का संपादन करे निश्चित समय पर भोजनादि कर सकते हैं बशर्ते कि आप निम्नांकित निर्देशन का अनुपालन कर सकें।

आपके लिए अनुकूल एवं उत्तम रंग लाल, नारंगी एवं सफेद रंग है। इसके अतिरिक्त आपको पीला एवं हरा रंगों का त्याग करना चाहिए।

आपके लिए अंको में 1, 2, 4 एवं 7 अंक अनुकूल है। इसके अतिरिक्त 3, 5, 6 एवं 9 अंक आपके लिए हानिकारक है।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।